

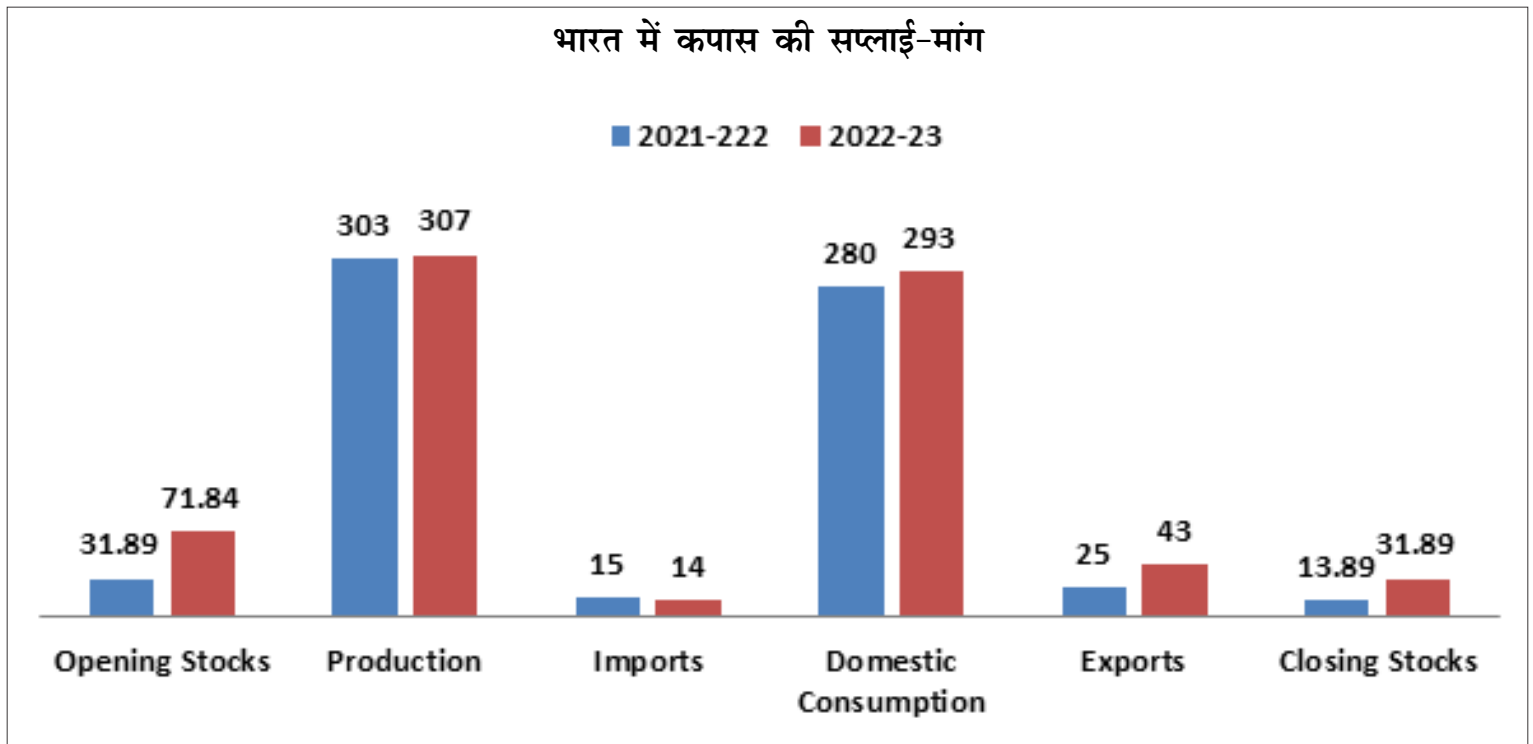
विशेष रिपोर्ट मई 2023

काँटन, ग्वार कॉम्प्लेक्स, मेंथा ऑयल
और अरंडी सीड मई 2023



निर्यात मांग के अभाव में अप्रैल में कपास की कीमतों में ज्यादातर समय गिरावट दर्ज की गई। मार्च-अप्रैल में आवक में अचानक वृद्धि से भी कीमतों पर दबाव पड़ा जबकि जमाखोरी के कारण अक्टूबर 22-फरवरी 23 के दौरान कुल आवक कम हो गई थी। कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, बाजार वर्ष 2022/23 में 28 फरवरी, 2023 तक कपास की आवक पिछले वर्ष की समान अवधि के 219 लाख गांठ के मुकाबले 158 लाख गांठ होने का अनुमान है। मार्च-23 में लगभग 35-40 लाख गांठों की आवक हुई और कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार कुल आवक 190-193 लाख गांठ तक पहुंच गई। व्यापार सूत्रों ने संकेत दिया है कि किसान उच्च कीमतों की उम्मीद में अपनी उपज की कम डिलीवरी कर रहे हैं और कटी हुई फसल को रोक रहे हैं। आगमन की स्थिति में बदलाव का असर कपड़ा मिलों पर पड़ रहा है क्योंकि वे मध्यम से लंबी अवधि की आवश्यकताओं के लिए स्टॉक जमा करने में असमर्थ हैं और उन्हें आयात के साथ स्थानीय आपूर्ति बढ़ानी होगी। देर से आवक होने के कारण उत्पादन का अनुमान लगाना भी बहुत मुश्किल हो जाता है, जिससे घरेलू बाजारों में कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव होता है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार पिछले वर्ष के 307 लाख गांठ की तुलना में वर्ष 2022-23 में कपास का उत्पादन 303 लाख गांठ के करीब होने का अनुमान है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने संकेत दिया है कि पिछले वर्ष के 31.89 लाख गांठ की तुलना में वर्ष 2022-23 में कुल स्टॉक घटकर 13.89 लाख गांठ रहने का अनुमान है।

भारत में कपास की सप्लाई-मांग



स्रोत: कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया

प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर आपूर्ति घटने के कारण कपास की कीमतों में तेजी के रूझान के साथ कारोबार होने की संभावना है। कम उत्पादन के कारण आवक में कमी आई है जिससे कीमतों में मजबूती को समर्थन मिलेगा। इसके अलावा, भारत के उत्तरी भाग में बुवाई की प्रगति पर भी बाजार की नजर रहेगी। सामान्य से अधिक तापमान से बुवाई की प्रगति प्रभावित होने की संभावना है और इसका असर आगामी सीजन में उत्पादन पर देखा जाएगा।

लेकिन, बढ़त सीमित होने की संभावना है क्योंकि कमजोर आर्थिक आउटलुक और सुस्त निर्यात मांग का बाजार के सेंटीमेंट पर असर पड़ने की संभावना है। कपास निर्यात पिछले वर्ष के 43 लाख गांठ की तुलना में वर्ष 2022-23 में 25 लाख गांठ होने की संभावना है।

एमसीएक्स पर कॉटन(जून) की कीमतों के 60000-66000 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है, जबकि एनसीडीईएक्स पर कपास (अप्रैल 24) वायदा की कीमतों के 1550-1670 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

ग्वार कॉम्प्लेक्स

मांग संबंधी चिंताओं के कारण पिछले तीन महीनों में ग्वारसीड की कीमतों में लगातार गिरावट देखी गई है। कच्चे तेल की कीमतों में कमजोरी और ग्वारगम की कमजोर निर्यात का असर ग्वारसीड के साथ-साथ ग्वारगम की कीमतों पर भी पड़ा। ग्वारगम के सुस्त निर्यात के कारण मिलों ने आवश्यकतानुसार ही खरीद करना पसंद किया जिससे उनका पेराई मार्जिन लाभप्रद नहीं रहा। अप्रैल 23 में ग्वारसीड की कीमतें माह-दर-माह 5% कम होकर 5470 रुपये/क्विंटल रह गईं।

ग्वारसीड की कीमतों में मासिक बदलाव

	Jan	Feb	Mar	Apr	May	Jun	Jul	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
2023	-0.30%	-3.75%	-1.15%	-4.11%	4.70%							
2022	5.21%	-7.48%	8.17%	-0.05%	-7.67%	-11.91%	-4.32%	-4.46%	4.28%	-6.63%	33.11%	-1.51%
2021	0.23%	-1.97%	-1.80%	7.44%	4.00%	-2.06%	6.90%	36.10%	-2.86%	20.39%	-17.60%	3.95%
2020	-5.99%	-8.51%	-9.30%	5.64%	-1.59%	3.69%	7.23%	6.66%	-3.01%	8.47%	-7.33%	-1.40%
2019	0.54%	-3.98%	5.12%	-0.89%	-1.43%	-2.21%	3.25%	-2.29%	-6.73%	3.38%	0.30%	3.54%
AVG	-0.06%	-5.14%	0.21%	1.61%	-0.40%	-3.12%	3.26%	9.00%	-2.08%	6.40%	2.12%	1.14%

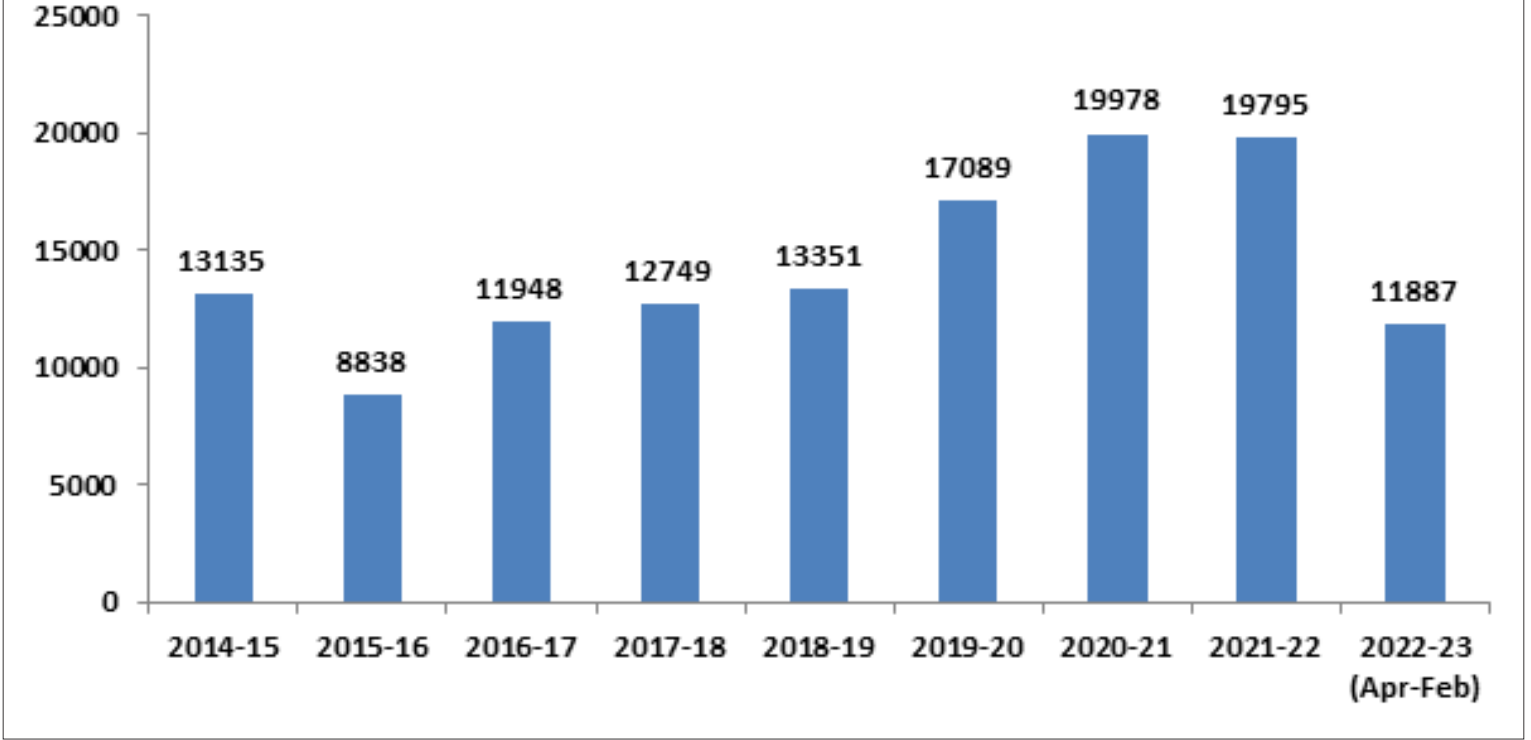
वर्ष 2023 में मानसून के शुष्क दौर की बढ़ती संभावनाओं के कारण ग्वारसीड की कीमतों में तेजी रहने की संभावना है। आने वाले महीनों में अलनीनो मौसम की घटना के विकसित होने की संभावना बढ़ गई है जो बुवाई की प्रगति को बुरी तरह प्रभावित करेगी। एल नीनो वर्ष के दौरान भारत में लगभग 60% समय में सूखे की संभावना होती है, और जबकि सामान्य बारिश की संभावना 10% कम होती है, सामान्य से कम बारिश की संभावना 30% होती है। वर्ष 2023 में सूखे मॉनसून से ग्वारसीड की बुवाई की प्रगति और उपज पर सीधा असर पड़ने की संभावना है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट की वजह से ग्वारगम की निर्यात मांग कमजोर रहने का अनुमान है। भारत ने पिछले वर्ष के 20.98 हजार टन के मुकाबले फरवरी-23 में लगभग 19.37 हजार टन ग्वारगम का निर्यात किया। भारत ने पिछले वर्ष के 210.48 हजार टन की तुलना में अप्रैल 22-फरवरी-23 की समयावधि के दौरान लगभग 224.38 हजार टन ग्वारगम का निर्यात किया।

ग्वारसीड वायदा(जून) की कीमतें 5400-6300 के दायरे में कारोबार कर सकती हैं, वहीं ग्वारगम की कीमतों के 10500-13000 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

मेंथा ऑयल

सुचारू बुवाई की प्रगति की रिपोर्ट के कारण अप्रैल-23 में मेंथा ऑयल वायदा में नरमी के साथ कारोबार हुआ। भारत के उत्तरी भाग में बेमौसम बारिश वर्ष 2023 में मेंथा ऑयल के आगामी उत्पादन के लिए शुभ संकेत देती है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मेन्थॉल की कमजोर मांग से भी कीमतों पर दबाव पड़ा। भारत में सिंथेटिक मेन्थॉल के बढ़ते आयात के कारण मेन्थॉल की घरेलू मांग कम रही। मेंथा तेल की कीमतें अप्रैल-23 में माह-दर-माह 6% की गिरावट के साथ 940 रु/किग्रा पर आ गईं।

भारत से मेंथॉल का निर्यात (टन में)



भारत ने अप्रैल 22-फरवरी-23 की समयावधि के दौरान लगभग 11887 टन मेन्थॉल का निर्यात किया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 18386 टन निर्यात हुआ था। चीन ने भारत से अपने मेन्थॉल आयात को घटाकर सिर्फ आधा कर दिया है। चीन ने वर्ष 2022-23 में भारत से लगभग 7058 टन आयात किया था, जो पिछले वर्ष के 13478 टन की तुलना में 48% कम है। भारत से मेन्थॉल मिंट ऑयल के प्रमुख निर्यात गंतव्य में चीन, अमेरिका, सिंगापुर, जर्मनी और जापान जैसे देश शामिल हैं। लेकिन, सिंथेटिक मेन्थॉल का बाजार हाल के वर्षों में बढ़ रहा है और वैश्विक स्तर पर कुल मेन्थॉल बाजार के एक तिहाई हिस्से पर कब्जा कर चुका है।

बुवाई में सुधार के कारण आने वाले हफ्तों में मेंथा ऑयल की कीमतों में नरमी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार करने की संभावना है। सिंथेटिक मेन्थॉल के बढ़ते आयात से कीमतों के लिए बड़ा जोखिम होने की संभावना है क्योंकि हाल के वर्षों में भारत में सिंथेटिक मेन्थॉल के आयात में तेज वृद्धि हुई है। भारत से मेन्थॉल के निर्यात में गिरावट से कीमतों पर दबाव रहने की संभावना है।

लेकिन, मेंथा ऑयल में गिरावट सीमित रहने की संभावना है क्योंकि मेन्थॉल की मौसमी मांग में सुधार होने की संभावना है। मेंथा ऑयल की घरेलू मांग में विशेष रूप से डियोडेंट और पान मसाला उद्योग से वृद्धि देखने को मिल सकती है। हर साल स्वास्थ्य सेवा उद्योग में मांग बढ़ रही है जो कीमतों में बड़ी गिरावट को रोक देगी।

एमसीएक्स पर मेंथा ऑयल (जून) की कीमतों के 930-1020 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

अरंडी सीड

स्थानीय बाजार में आपूर्ति बढ़ने के कारण अप्रैल महीने में अरंडी की कीमतों पर दबाव बना रहा। उच्च उत्पादन की संभावना और अरंडी तेल के सुस्त निर्यात की खबरों से कीमतों पर दबाव पड़ा। अरंडीसीड की कीमतें अप्रैल-23 में माह-दर-माह 3.5% कम होकर 5936 पर आ गईं। वर्ष 2023 में अरंडीसीड का उत्पादन वर्ष-दर-वर्ष 16% बढ़कर 18.82 लाख टन हो गया। वर्ष 2022-23 में अरंडी के रकबे में अधिक वृद्धि के कारण उत्पादन में वृद्धि हुआ है। वर्ष 2021 में बेहतर कीमत की प्राप्ति के कारण वर्ष 2022-23 में अरंडी का क्षेत्रफल वर्ष-दर-वर्ष 33% बढ़कर 7.95 लाख हेक्टेयर हो गया।

मांग के मोर्चे पर, बाजार की नजर भारत से अरंडी के तेल के निर्यात पर रहने की संभावना है जो हाल के महीनों में कम हुआ है। सालाना आधार पर करीब 2 लाख टन अरंडी के तेल की खपत होती है जिसमें से 6-7 लाख टन का निर्यात किया जाता है। वर्तमान परिदृश्य की बात करें तो, भारत ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में फरवरी 23 तक लगभग 537 हजार टन अरंडी के तेल का निर्यात किया है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 614 हजार टन हुआ था। भारतीय अरंडी के तेल के प्रमुख आयातक देश चीन, नीदरलैंड, अमेरिका, फ्रांस, थाईलैंड और जापान हैं।

अरंडी सीड की कीमतों में मासिक बदलाव

	Jan	Feb	Mar	Apr	May	Jun	Jul	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec
2023	-1.38%	-9.14%	-3.22%	-1.78%	-0.70%							
2022	8.37%	10.38%	4.28%	0.90%	0.65%	0.83%	-2.71%	0.27%	0.38%	-3.66%	4.70%	-4.94%
2021	-1.38%	0.90%	9.81%	7.63%	-3.60%	1.34%	10.05%	5.50%	3.58%	7.55%	-2.22%	-9.45%
2020	-5.94%	-4.85%	-6.10%	-6.75%	-3.59%	8.62%	2.66%	2.14%	4.35%	7.07%	-2.05%	-3.94%
2019	-2.25%	1.96%	-0.79%	6.04%	1.94%	-4.14%	3.24%	1.78%	-14.32%	-8.76%	-9.64%	2.18%
AVG	-0.52%	-0.15%	3.55%	1.21%	-1.06%	1.66%	3.31%	2.42%	-1.51%	0.55%	-1.28%	-4.04%

अरंडी की कीमतों के सीमित दायरे में कारोबार करने की संभावना है, जिससे कीमतों में नरमी का रूझान बना रह सकता है। चीन से अरंडी के तेल के सुस्त आयात और आवक में वृद्धि की उम्मीद से निकट अवधि में कीमतों में गिरावट होने की संभावना है। लेकिन कीमतों में गिरावट सीमित रहेगी क्योंकि अल नीनो की बढ़ती संभावनाएं आने वाले सीजन में बुवाई की प्रगति को प्रभावित करेंगी। मई के बाद मौसमी मांग बढ़ने की संभावना है जो कीमतों में गिरावट को सीमित कर देगी। अरंडी वायदा (जून) की कीमतों के आने वाले महीनों में 5600-6300 के दायरे में रहने की संभावना है।

वंदना भारती	एवीपी कर्मोडिटी रिसर्च	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 625	vandanabharti@smcindiaonline.com
रवि पाण्डेय	सीनियर रिसर्च एनालिस्ट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 674	ravi16@smcindiaonline.com
शिवानन्द उपाध्याय	रिसर्च एसोसिएट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 646	shivanand@smcindiaonline.com

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com



Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, AWing 401 / 402, 4th Floor,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार को जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशांसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवाओं और संबंधित सेवाओं करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई (मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉम्यूट्रेड नेशनल कर्मोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कर्मोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कर्मोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएस स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड का सदस्य है। एसएमसी सीडीएसएल (CDSL) और एनएसडीएल (NSDL) के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एमएफआई (AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनालिस्ट) रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनालिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिन्क्रोटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिन्क्रोटीज मार्केट/कर्मोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नहीं किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनालिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हें सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नहीं देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनालिस्ट, जिन्होंने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कर्मोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

दिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्ता को व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक को किसी निवेश, विधि एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नहीं है। यह केवल प्राइवेट सब्सक्रिप्शन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विस्वस सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नहीं और इस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कनेन्ट के आधार पर कोई कार्य नहीं किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुनः वितरण नहीं किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कनेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नहीं करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वित्तीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉर्पोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नहीं चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते हैं एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ) समय-समय पर किसी भी कर्मोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में चिह्नित किया गया है, खरीद या विक्री, कोई भी पॉजिशन हो सकती है और वह इस कर्मोडिटीज को खरीद या विक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कर्मोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकार में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश होगा।